बीईसीसी-108

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स)
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2024-25

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–108
मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ई.सी.सी.–108 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.–108 मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्यम श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

आपको सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास निम्नलिखित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा–

(i) 30 मार्च, 2025 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जुलाई 2024 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

(ii) 30 सितंबर, 2025 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जनवरी 2025 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

जमा कराये गये सत्रीय कार्य की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हैं।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ,

BECC-108 मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-II

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.-108
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टी.एम.ए./2024-25
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य 1

निम्नलिखित वर्णनात्मक वर्ग के प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2x 20=40

1. क) बाजार में बाह्यताओं की उपस्थिति वस्तुओं के अनुकूलतम उत्पादन की ओर नहीं ले जाती–इस कथन की व्याख्या करें। बाह्यताओं के आंतरिकीकरण करने की कम से कम तीन विधियों के सुझाव दें।

   ख) द्वयाधिकार के अंतर्गत सजातीय उत्पाद करने वाली दो फर्में 1 तथा 2 पर विचार करें जिनकी मांग निम्नलिखित मांग वक्र द्वारा व्यक्त की गई है:

   Q=100-P , जहां कि Q दोनों ही फर्मों का कुल उत्पादन (Q=$Q_1 + Q_2$) है। दोनों ही फर्मों की सीमांत लागत रू 50 है अर्थात् $MC_1 = MC_2 = 50$ दोनों ही फर्मों के शेष (Residual)मांग फलन का आकलन करें।

2. क) परैटो दक्षता क्या है? इस कथन की व्याख्या करें कि परेटो दक्षता हेतु विनियम, उत्पादन तथा उत्पाद सम्मिश्रण (Product Mix)में दक्षता की आवश्यकता होती है।

   ख) क्रमिक पहल खेल (Sequential Move game) तथा युगपद पहल खेल (Similtaneous-move games) में अंतर बतायें।

   ग) उपखेल पूर्ण नैश संतुलन (Subgame perfect Nash Equilibrium) की व्याख्या करें। निम्नलिखित में इसको ज्ञात करें:

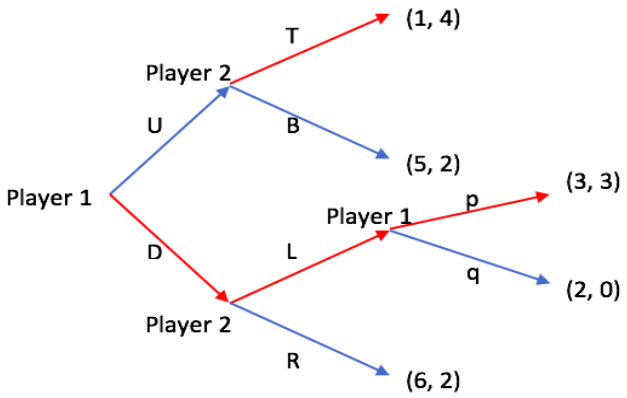

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 10 अंक है। **3x 10=30**

3. सार्वजनिक वस्तुएं क्या हैं? समाज मे सार्वजनिक वस्तुओं का अनुकूलतम प्राविधान किस प्रकार किया जाता है?

4. एकाधिकारी के लिए मृतभार घाटा क्या होता है? यदि एकाधिकारी फर्म का मांग वक्र P(Q) = 20-2Q तथा लागत फलन $2Q+ Q^2$ है तो इसमें इसके मृतभार घाटा (Dead weight loss)का आंकलन करें।

5) संविदा वक्र क्या है? व्याख्या करें कि किस प्रकार किसी पूर्ण प्रतिस्पर्धी फर्म का आंबटन परेटो दक्ष पूर्ण होगा?

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित सभी प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5x 6=30**

6. समकल्याण वक्र क्या होते है? ये वक्र सामाजिक कल्याण के अधिकतम बिंदु का निर्धारण करने में किस प्रकार मदद करते हैं?

7. बर्गसन सैम्युल्सन सामाजिक कल्याण फलन तथा क्लासीकल उपयोगितावादी अथवा बैन्थनवादी कल्याण फलन के बीच अंतर बताइये।

8. प्राकृतिक एकाधिकार सीमांत लागत के बराबर कीमत निर्धारण नहीं करता। इसके कारणों की व्याख्या करें।

9. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के अंतर्गत अतिरिक्त क्षमता (excess capacity) की अवधारणा की व्याख्या करें।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की व्याख्या करें

    क) एकाधिकार तथा पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत दीर्घकालीन संतुलन

    ख) वरर्टेन्ड मॉडल तथा स्टैकबर्ज मॉडल

    ग) कीमत विभेद की प्रथम डिग्री तथा कीमत विभेद की तृतीय डिग्री

    घ) असममित सूचना तथा मोरल हेजार्ड